



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 103]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 25, 2008/आषाढ़ 4, 1930

No. 103]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 25, 2008/ASADHA 4, 1930

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 21 जून, 2008

सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धाराओं 48, 49 और 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा पारादीप पत्तन न्यास के दरों के मान में अध्याय-III पोत-संबद्ध प्रभार में बर्थ किराया अनुसूची के अंतर्गत खंड 3.1 से 3.3 के नीचे टिप्पणी (12) और टिप्पणी (13) के रूप में दो शर्तें शामिल करता है।

मामला सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी

पारादीप पत्तन न्यास (पीपीटी)

.....आवेदक

आदेश

(अप्रैल, 2008 के 22वें दिन पारित किया गया)

मामला सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी में दिनांक 12 अक्टूबर, 2007 के आदेश द्वारा इस प्राधिकरण ने दरों के मान (एसओआर) के सामान्य संशोधन के लिए पीपीटी के प्रस्ताव का अनुमोदन किया था। पीपीटी के दरों के मान के साथ यह आदेश भारत के असाधारण राजपत्र में 31 अक्टूबर, 2007 को अधिसूचित किया गया था और संशोधित दरें अधिसूचना की तारीख से 30 दिन के बाद लागू हो गई थी।

2. पीपीटी के संशोधन-पूर्व दरों के मान की शर्तों और निबंधनों के खंड 2.7 (i) के अनुसार कागों कार्य पूरा होने के दो घंटे के भीतर पोत सभी प्रकार से समुद्र में प्रस्थान हेतु तैयार होने चाहिए और जिसमें असफल रहने पर प्रति घंटा या उसके भाग के लिए 105 अमरीकी डॉलर (तटीय पोतों के लिए 2742 रुपये) की दर पर दंडात्मक बर्थ किराया प्रभार वसूल किए जाएंगे। खंड 2.7 (ii) के अनुसार वहीं, पत्तन इन दरों पर दंडात्मक बर्थ किराया प्रभार भी वसूल करता है, यदि पोत प्रचालनात्मक कारणों से बर्थ खाली किए जाने हेतु उन्हें दिए गए चार घंटे के नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद दो घंटे से अधिक समय तक बर्थ में लगातार रुके रहते हैं।

3.1. संशोधित दरों के मान में उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित खंड 2.7 (i) और 2.7 (ii) हटा दिए गए थे और उनके बदले में बर्थ किराया प्रभारों के खंड 3.1 से 3.3 के नीचे टिप्पणी (4) के रूप में निम्नलिखित शर्तें शामिल की गई थीं :-

- (i) पोत के समुद्री यात्रा हेतु तैयार होने के इसके संकेत के समय के 4 घंटे बाद बर्थ किराया लगना बंद हो जाएगा । बर्थ किराया लगना बंद होने के लिए निर्धारित समय-सीमा में अनुकूल ज्वारीय स्थितियों के न होने अथवा प्रतिकूल मौसम होने अथवा रात्रि नौवहन सुविधाएं न होने के कारण पोत का प्रतीक्षा समय शामिल नहीं होगा ।
- (ii) गलत संकेत दिए जाने पर एक दिन के बर्थ किराया प्रभार के बराबर दंडात्मक बर्थ किराया वसूल किया जाएगा ।
- (iii) पोत के मास्टर/एजेंट अनुकूल मौसम स्थितियों और ज्वारीय हलचलों के अनुसार ही पोत की समुद्री यात्रा की तैयारी का संकेत देंगे ।

3.2. बर्थ किराया प्रभारों के अंतर्गत दरों के मान में उपर्युक्त टिप्पणी को शामिल किया जाना 31 मार्च, 2005 को अधिसूचित प्रशुल्क के विनियमन हेतु संशोधित दिशानिर्देशों में निर्धारित शर्तों के अनुसार था ।

4. पीपीटी ने इस प्राधिकरण को संबोधित अपने दिनांक 19 मार्च, 2008 के पत्र सं० टीडी/टीएम/एमएआर-01/2001/1175 में दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों की वसूली के लिए पूर्ववर्ती प्रावधानों को पुनः शामिल करने का अनुरोध किया था । पत्तन के अनुरोध की जांच की गई थी । उपर्युक्त पैरा सं० 3.1 में उल्लिखित दरों के मान में शामिल शर्तों से यह पूर्वधारणा बनती है कि कोई भी पोत कार्गो प्रचालन पूरा होने के बाद बर्थ में रुके बिना अपनी समुद्री यात्रा की तैयारी का संकेत देगा । लेकिन, पूर्व-संशोधित दरों के मान में दंडात्मक प्रभारों की वसूली संबंधी सहायक खंड शामिल थे, यदि पोत अपने कार्गो प्रचालन पूरा होने के बाद समुद्री यात्रा के लिए तैयार नहीं होता है । चेन्नई पत्तन न्यास, विशाखापट्टणम पत्तन न्यास, जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास, मुरुगांव पत्तन न्यास, न्यू मंगलौर पत्तन न्यास और तूतीकोरन पत्तन न्यास के दरों के मान में बर्थ में अतिरिक्त समय के लिए रुकने वाले पोतों से दंडात्मक बर्थ किराया प्रभार वसूल करने हेतु प्रावधान शामिल हैं ।

5. चूंकि, पुनः शामिल की जाने वाली प्रस्तावित शर्तें पिछले सामान्य दर संशोधन के समय इस प्राधिकरण द्वारा हटा दिए जाने तक पीपीटी के दरों के मान में मौजूद थीं और परामर्श प्रक्रिया का पालन करते समय किसी भी प्रयोक्ता निकाय ने पोतों के बर्थों में अतिरिक्त समय तक रुकने पर वसूल किए जाने वाले दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों की वसूली पर कोई आपत्ति व्यक्त नहीं की थी, इसलिए दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों की वसूली को पुनः शामिल करने के लिए परामर्श प्रक्रिया का नए सिरे से पालन करना आवश्यक नहीं समझा गया है ।

6. इसलिए, यह प्राधिकरण अध्याय-III, पोत-संबद्ध प्रभार में बर्थ किराया अनुसूची के अंतर्गत खंड 3.1 से 3.3 के नीचे टिप्पणी (12) और टिप्पणी (13) के रूप में निम्नलिखित शर्तों को शामिल करते हुए पारादीप पत्तन न्यास के दरों के मान में दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों को पुनः शामिल करने का अनुमोदन प्रदान करता है :-

“(12). पोत कार्गो कार्य पूरा होने के दो घंटे के भीतर समुद्री यात्रा के लिए सभी प्रकार से तैयार होने चाहिए। पोत के समुद्री यात्रा हेतु तैयार होने के समय के संबंध में सूचना कम से कम एक घंटा पहले वीएचएफ पर और ‘1जी’ ध्वज लहरा कर पत्तन संकेत केन्द्र को सूचित की जानी चाहिए । कार्गो कार्य के पूरा होने के दो घंटे बाद भी समुद्री यात्रा के लिए तैयार न रहने वाले पोत बर्थ किराया अनुसूचियों में निर्धारित दरों के अतिरिक्त प्रति घंटा या उसके भाग के लिए 105 अमरीकी डॉलर (तटीय पोतों के लिए 2582/-रुपए) की दर पर दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों के भुगतान के लिए उत्तरदायी हैं । दंडात्मक बर्थ किराया वसूल करने के लिए अवधि का परिकलन कार्गो कार्य के पूरा होने से दो घंटे का समय समाप्त होने से लेकर पोत के समुद्री यात्रा हेतु तैयार होने के समय तक के लिए किया जाएगा ।

(13). 105 अमरीकी डॉलर (तटीय पोतों के लिए 2582/-रुपए) की दर पर दंडात्मक बर्थ किराया प्रभार उन पोतों पर लागू होंगे, जो पोत प्रचालनात्मक कारणों से बर्थ खाली किए जाने हेतु पारादीप पत्तन न्यास अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दी गई 4 घंटे की नोटिस अवधि समाप्त होने के बाद दो घंटे से अधिक के लिए बर्थ में लगातार रुके रहते हैं ।”

7. तटीय पोत दर पिछले दरों के सामान्य संशोधन के समय विचारित 1 अमरीकी डॉलर = 40.98 रुपए की विनिमय दर के अनुसार समायोजित की गई है।

8. चूंकि, यह केवल एक प्रावधान का पुनर्स्थापन है, जोकि दरों के पिछले सामान्य संशोधन तक विद्यमान था, इसलिए यह प्राधिकरण दंडात्मक बर्थ किराया प्रभारों की वसूली पूर्व-प्रभाव (अर्थात् 30 नवम्बर, 2007 से, जोकि पिछले संशोधन के प्रभावी होने की तारीख है) से करने के लिए अनुमोदन प्रदान करता है।

[विज्ञापन /III/4/143/2008-असा.]

ब्रह्म दत्त, अध्यक्ष

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS NOTIFICATION

Mumbai, the 21st June, 2008

**No. TAMP/60/2005-PPT.**—In exercise of the powers conferred by Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby introduces two conditionalities as note (12) and note (13) below sections 3.1 to 3.3 under the berth hire schedule in Chapter-III Vessel Related Charges in the Scale of Rates of Paradip Port Trust.

**CASE NO. TAMP/ 60/2005-PPT**

The Paradip Port Trust

.....Applicant

### ORDER

(Passed on this 22nd day of April, 2008)

By Order dated 12 October 2007 in case No. TAMP/60/2005-PPT this Authority approved the proposal of the PPT for general revision of its Scale of Rates (SOR). The Order along with revised Scale of Rates of PPT was notified in the Gazette of India, Extraordinary on 31 October 2007 and the revised rates came into effect after 30 days from the date of the Notification.

2. As per clause 2.7.(i) of the general terms and conditions of the pre-revised SOR of PPT, vessels should be ready for sailing in all respects within two hours of completion of cargo work and failure thereto would invite levy of penal berth hire charges at the rate of USD 105/- (for coastal vessels Rs.2742/-) per hour or part thereof. As per clause 2.7.(ii). Ibid, the port also levied penal berth hire charges at these rates if vessels continued to occupy the berth for more than two hours after expiry of the four hours notice period served on them to vacate the berth for operational reasons.

3.1. In the revised Scale of Rates, the clause 2.7. (i) and clause 2.7.(ii) referred to in para 2 above were deleted and in lieu thereof the following conditionalities were incorporated as note (4) below Sections 3.1. to 3.3. pertaining to Berth Hire Charges:

- (i). Berth hire shall stop 4 hours after the time of the vessel signaling its readiness to sail. The time limit prescribed for cessation of berth hire shall exclude the ship's waiting time for want of favorable tidal conditions or on account of inclement weather or due to absence of night navigation facilities.
- (ii). There shall be penal berth hire equal to one days berth hire charge for a false signal.
- (iii). The Master/Agents of the vessel shall signal readiness to sail only in accordance with favourable weather conditions and tidal movements.

3.2. Introduction of the above note in the SOR under berth hire charges was in accordance with the conditionalities prescribed in the revised guidelines for regulation of tariff notified on 31 March 2005.

4. PPT in its letter No.TD/TM/MAR-01/2001/1175 dated 19 March 2008 addressed to this Authority requested to re-introduce the earlier provisions for levying the penal berth hire charges. The port's request was examined. The conditionalities incorporated in the SOR as detailed in para 3.1. above pre-suppose that a vessel will signal its readiness to sail without occupying the berth even after the cargo operations are over. What was available in the pre-revised Scale of Rates were enabling clauses to levy penal charges if the vessel is not ready to sail after completion of its cargo operation. The SORs of Chennai Port Trust, Visakhapatnam Port Trust, Jawaharlal Nehru Port Trust, Mormugao Port Trust, New Mangalore Port Trust and Tuticorin Port Trust contain provisions to levy penal berth hire charges on vessels which overstay at the berths.

5. Since the conditionalities proposed to be re-introduced were in existence in the SOR of PPT till they were deleted by this Authority at the last general rate revision and while adhering to the consultative process none of the user bodies had raised any objection on the levy of penal berth hire charges on vessels overstaying at the berths, it is not considered necessary to follow a fresh consultative process for re-introduction of the levy of penal berth hire charges.

6. This Authority, therefore, accords approval to the re-introduction of the levy of penal berth hire charges in the SOR of Paradip Port Trust by inserting the following conditionalities as note (12) and note (13) below Sections 3.1 to 3.3 under the Berth hire schedule in Chapter—III Vessel Related Charges:

"(12). Vessels should be ready for sailing in all respects within two hours of completion of the cargo work. Information regarding the time of the vessel's readiness to sail is to be communicated to port signal station over VHF and hoisting of '1G' flag at least one hour in advance. Vessels which are not ready to sail after two hours of completion of cargo work are liable to pay penal berth hire charges at the rate of 105 USD (for coastal vessels (Rs.2582/-) per hour or part thereof in addition to the rates specified in the berth hire schedules. The duration for which penal berth hire is to be charged will be calculated from the time of expiry of two hours from completion of cargo work to the time the vessel is ready for sailing.

(13). Penal berth hire charge at the rate of 105 USD (for coastal vessels (Rs.2582/-) will be applicable to vessels which continue to occupy the berth for more than two hours after expiry of the 4 hours notice period given by the Paradip Port Trust or officials authorised by it to the vessels to vacate the berths for operational reasons."

7. The coastal vessel rate has been adjusted with reference to the exchange rate of 1 US\$=Rs.40.98 considered at the time of the last general revision of rates.

8. Since it is only a reinstatement of a provision which was in existence till the last general revision of rates, this Authority accords approval to the levy of the penal berth hire charges with retrospective effect (i.e. from 30 November 2007, the date on which the last revision came into effect).

[ADVT. III/4/143/2008/Ext'y.]

BRAHM DUTT, Chairman